किसानों की आई बढ़ाने के लिए प्रसंस्करण एवं मूल्यावर्धन उपयुक्त तरीका है - भा.कृ.अनु.प.-सीफेट

दिनांक: 27 **सितम्बर** 2024

भाकृअनुप- केन्द्रीय कटाई-उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीफेट), लुधियाना, पंजाब ने 24 से 26 सितंबर, 2024 तक "खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण के लिए अभियांत्रिकी एवं तकनीकी सुझाव" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया । यह कार्यक्रम भारत सरकार की अनुसूचित जाति उपयोजना (एससीएसपि) के तहत अनुसूचित जाति के किसानों को तकनीकी कौशल और वैज्ञानिक ज्ञान प्रदान करने के लिए आयोजित किया गया था। लुधियाना जिले की पायल तहसील के छपरा और आलमपुर गांव के लगभग 60 किसानों (लगभग 80% महिला प्रतिभागियों) ने इस मूल्यवान प्रशिक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया। खाद्यान्न के सुरक्षित भंडारण, गुणवत्ता और सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न अत्याधुनिक अभियांत्रिकी और तकनीकी समाधानों पर चर्चा की गई। दृश्यमान प्रकाश कीट जाल, हर्मेटिक बैग, पैकेजिंग और भंडारण सामग्री जैसी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन, प्रतिभागियों को खाद्यान्न के भंडारण से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने का प्रशिक्षण दिया। इसके अलावा, प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए सफल उद्यमियों और उन्नत तकनीकों के वीडियो और आभासी बातचीत का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का समन्वय भाकृअनुप-सीफेट के वैज्ञानिकों, डॉ. गुरु पी.एन और इंजीनियर उरहे सुमित भाऊसाहब एवं श्रीमती परमजीत कौर. सरपंच जी ने किया।

डॉ. नचिकेत कोतवालीवाले, निदेशक, डॉ. राहुल अनुराग, नोडल अधिकारी एससीएसपी और भाकृअनुप -सीफेट, लुधियाना के अन्य कर्मचारियों ने संयोजक समिति को प्रयासों की सराहना की।

Training Programme
ICS
Improved Crop Storage
50KG